ⓑ ⓐ

VRS8

दृष्टि The Vision

निबन्ध (ESSAY)

DTVF/17–ESY-**E3**

निर्धारित समय: तीन घंटे	*अधिकतम अंक: 250*
Time allowed: Three Hours	***Maximum Marks: 250***

नाम (Name): Ratan Deep Gupta

क्या आप इस बार मुख्य परीक्षा दे रहे हैं? | हाँ | ✓ | नहीं | |

मोबाइल नं. (Mobile No.): ______

ई-मेल पता (E-mail address): ______

टेस्ट नं. एवं दिनांक (Test No. & Date): ______

रोल नं. [यू.पी.एस.सी. (प्रा.) परीक्षा-2017] [Roll No. UPSC (Pre) Exam-2017]: ______

परीक्षा का माध्यम (Medium of Exam.): Hindi

विद्यार्थी के हस्ताक्षर (Student's Signature): ______

103

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पहले निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को कृपया ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबंध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू०सी०ए०) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों को अंक नहीं दिये जाएंगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहियें।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा गया कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

खण्ड A और B में प्रत्येक से एक-एक चुनकर, दो निबंध लिखिये जो प्रत्येक लगभग 1000–1200 शब्दों में हो: 125×2 = 250

Write TWO Essays, choosing ONE from each of the Sections A and B, in about 1000–1200 words each: 125×2 = 250

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

खण्ड–A / SECTION –A

1. समन्वित प्रयत्नों से हम देश को नई ऊँचाइयाँ प्रदान कर सकते हैं, जबकि एकता का अभाव हमारे समक्ष नई आपदाओं को उजागर करेगा।
   By common endeavor we can raise the country to a new greatness, while a lack of unity will expose us to fresh calamities.
2. कम नकद तथा नकदरहित अर्थव्यवस्था।
   Less cash and cashless economy.
3. यदि आप एक वर्षीय समाधान चाहते हैं तो बीज बोएँ, यदि पाँच वर्षीय समाधान चाहते हैं तो वृक्ष लगाएँ लेकिन यदि आप पीढ़ीगत समाधान चाहते हैं तो नारी को शिक्षा प्रदान करें।
   If you want to plan for a year sow a seed, if you want to plan for five year plant a tree but if you want to plan for a generation educate women.
4. विज्ञान की सीमाएँ जहाँ समाप्त होती हैं अध्यात्म की शुरुआत वहीं से होती है।
   Spirituality begins where science ends.

महात्मा गांधी ने कहा था कि भारत गाँवों में बसता है। देश की 70 फीसदी आबादी आज भी गांवों में ही बसती है। लेकिन गाँवों में बसने वाला यह भारत आज आर्थिक, राजनीतिक, वैज्ञानिक विकास में किसी से पीछे नहीं है। सूचना-प्रौद्योगिकी के विकास में हम दुनिया के सिरमौर बने हुए है।

यही सूचना क्रांति का रथ जहाँ एक ओर हमारी

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अच्छी शुरुआत

आर्थिक विकास के पहिए को गति प्रदान कर रहा है तो वही दूसरी ओर हमारी आर्थिक गतिविधियों में लेन देन के प्रमुख स्रोत अर्थात भौतिक मुद्रा के विकल्प के रूप में भी उभरा है।

वैसे तो लेन-देन का प्राचीन स्वरूप वस्तु विनिमय प्रणाली अथवा बार्टर सिस्टम के रूप में प्रारम्भ हुआ। धीरे-धीरे मुद्रा प्रणाली का विकास आज के सदियों पहले की व्यवस्था है। चमड़े, विभिन्न धातुओं एवं कागज तक मुद्रा ने विभिन्न रूप देखे हैं।

धीरे-धीरे बैंकिंग प्रणाली के विकास एवं किसी देश की आर्थिक तंत्रीय व्यवस्था में मुद्रा प्रणाली का महत्व उत्तरोत्तर बढ़ता ही गया। आधुनिक राष्ट्र-राज्यों की स्थापना एवं वैश्विक संचरण प्रणाली के विकास के साथ ही मुद्रा अनिवार्य रूप से किसी देश के आर्थिक गतिविधि एवं सार्वजनिक से जुड़ गयी।

मुद्रा का यह भौतिक रूप मुख्यतः केन्द्रीय बैंकों के नियन्त्रण के माध्यम से अर्थव्यवस्था में तरलता एवं विनिमय के माध्यम से आधुनिक समय में विविध रूप

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

से प्रयुक्त होता रहा है।

किंतु परिवर्तन प्रकृति का नियम है। यह परिवर्तन आज मुद्रा के स्वरूप एवं अर्थव्यवस्था की गतिविधियों को लेकर भी देखने को मिल रहा है। आज भौतिक मुद्रा के स्थान पर लेन-देन एवं अर्थव्यवस्था के संचालन के लिए डिजिटल माध्यमों का प्रयोग बढ़ रहा है। यह एक वैश्विक परिवर्तन है, तो भारत इससे अछूता कैसे रह सकता है?

डिजिटल माध्यमों के प्रभावों की और चर्चा करें।

मुद्रा एवं अर्थव्यवस्था के इस बदलते डिजिटलीकरण में दो प्रमुख संकल्पनाएँ उभर कर आती हैं - पहली कम नगद वाली अर्थव्यवस्था और दूसरी नगदरहित अर्थव्यवस्था।

कम नगद वाली अर्थव्यवस्था का अर्थ है कि अर्थव्यवस्था में लेन-देन के लिए भौतिक मुद्रा का प्रयोग कम से कम हो। यहाँ यह जानना उचित है कि भारत की लगभग 80% अर्थव्यवस्था नगद लेनदेन आधारित है।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

दूसरी संकल्पना नगदरहित अर्थव्यवस्था की है जिसका अर्थ है कि अर्थव्यवस्था पूर्णतः डिजिटीकृत हो जाये। यहाँ नगद लेन-देन की माला शून्य करने का लक्ष्य होता है।

उपरोक्त दोनों संकल्पनाओं को समझना और विश्लेषित करना इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि हाल के कुछ वर्षों में भारत सरकार का भारतीय अर्थव्यवस्था को सक्षम बनाने, इसकी कमियों को दूर करने एवं इसके डिजिटीकरण करने की दिशा में उपरोक्त संकल्पनाओं का उपयोग किया जा रहा है।

अब प्रश्न यह उठता है कि अर्थव्यवस्था में से नकद लेन-देन को निकालने की यह मुहिम क्यों चलाई जा रही है और इसकी क्या उपयोगिता है?

आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि नगद लेन-देन देश में काले धन का प्रमुख स्रोत रहा है। नगद लेन-देन की ट्रैकिंग करना बहुत मुश्किल कार्य है। इससे देश में एक समानान्तर अर्थव्यवस्था का

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

जन्म हो गया है। यह कर अपवंचना को बढ़ावा देता है, इससे सरकार को भारी राजस्व हानि होती है।

राजस्व हानि के कारण भारत में टैक्स बायांसी (Tax Bouyancy) नहीं है अर्थात भारत की जी.डी.पी. जिस गति से बढ़ रही है उस गति से राजस्व में वृद्धि नहीं हो पा रही है।

राजस्व में वृद्धि नहीं हो पाने से एक ओर सरकार का राजस्व घाटा बढ़ता है तो वही दूसरी अधिक कर्ज लेने के कारण राजकोषीय घाटा भी बढ़ जाता है। सामाजिक क्षेत्रकों एवं आधारभूत संरचना पर होने वाले अपर्याप्त व्यय एवं बजटीय आवंटन इसकी स्वाभाविक परिणति के रूप में सामने आते हैं।

तो वही दूसरी ओर हवाला के माध्यम से आतंकवादियों एवं नक्सलियों के वित्त पोषण को भी बढ़ावा मिला है। इससे आंतरिक सुरक्षा

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

के समक्ष गंभीर चुनौती उत्पन्न हुई है।

यदि राजनीतिक क्षेत्र की ओर दृष्टि डाले तो नगद लेन-देन, बिना नाम के राजनीतिक चंदे एवं चुनावों में धन बाँटने से लेकर निर्धारित सीमा से अधिक खर्च एवं व्यापक राजनीतिक भ्रष्टाचार का एक प्रमुख कारण रहा है।

आय की निगरानी तथा चुनावी धनबल के प्रयोग के संदर्भ में इसको और स्पष्ट करें

इसके साथ ही नकली नोटों की समस्या का तकनीकी विषय भी जुड़ा हुआ है। नोटों को छापने, उनके रख-रखाव एवं उनकी सुरक्षा में लगने वाले खर्च से बैंकों की सक्षमता पर भी प्रभाव पड़ता है।

इन सभी आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक एवं आंतरिक सुरक्षा सम्बन्धी समस्याओं को देखते हुए ही भारत सरकार एवं रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया का विविध माध्यमों से यह प्रयास रहा है कि भारत एक कम नगद वाली अर्थव्यवस्था की ओर बढ़े।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

इन प्रयासों के तहत विभिन्न डिजिटल माध्यमों से भुगतान को प्रोत्साहन तथा डिजीधन मेला जैसे कार्यक्रम, भीम एप को लाया जाना, प्वाइंट ऑफ सेल मशीन पर आयात शुल्क कम करना, विमुद्रीकरण जैसे कदम उठाये गये हैं।

अर्थव्यवस्था संबंधी उद्देश्य की प्राप्ति में विमुद्रीकरण की भूमिका को और स्पष्ट करें

डिजिटल इंडिया मिशन के तहत डिजिटल डिवाइड की समस्या का समाधान किया जा रहा है। 2.5 लाख से अधिक पंचायतों को नेशनल ऑप्टिकल फाइबर मिशन से जोड़कर ई सुविधाएँ प्रदान किये जाने का लक्ष्य है।

नेशनल पेमेन्ट कारपोरेशन आफ इंडिया के तहत विभिन्न ई-भुगतान प्लेटफार्मों का विनियमन किया जा रहा है। आधार कार्ड आधारित भुगतान को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

इन कदमों से निश्चित रूप से हमें काले धन पर नियन्त्रण करने, एक फार्मल अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ने तथा आर्थिक लेन-देन की गति तीव्र करने

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

में मदद मिलेगी परन्तु पूर्णतः कैशरहित अर्थव्यवस्था से सम्बन्धित कुछ चुनौतियाँ एवं मुद्दे हैं।

सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा चुनने के अधिकार का है। डिजीटल इकॉनमी की ओर प्रगमन क्या सरकार की ओर से थोपा हुआ होना चाहिए? बिल्कुल नहीं। एक सामान्य, कम पढ़े-लिखे (भारत में लगभग 30 करोड़ लोग निरक्षर हैं।) व्यक्ति को नगद-लेन-देन एवं डिजिटल व्यवस्था में से स्वयं के लिए बेहतर विकल्प चुनने का अधिकार होना चाहिए।

इसके साथ ही भारत में भारी डिजिटल डिवाइड की समस्या विद्यमान है। गाँवों में बिजली, कम्प्यूटर इत्यादि की पर्याप्त सुविधाएँ उपलब्ध नहीं हैं।

सुरक्षा के दृष्टिकोण से देखें तो भी डिजिटल लेन-देन पूर्णतः सुरक्षित है, ऐसा दावा करना बेईमानी होगी। हाल ही में लाखों डेबिट कार्डों के डाटा चोरी होने का केस प्रकाश में आया है। रैनसमवेयर एवं बिटक्वाइन में

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

किरौती तथा किसी भी सायबर आतंकवादी घटना की स्थिति में सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था एवं बैंकिंग सिस्टम के ठप पड़ जाने के सम्भावित चुनौतियों से मुँह नहीं मोड़ा जा सकता है।

नकद रहित तथा कम नकद अर्थव्यवस्था की प्राप्ति में बाधक तत्वों को और स्पष्ट करें।

यदि वैश्विक तौर पर देखे तो शायद ही विश्व का कोई ऐसा देश होगा जो पूर्णतः कैशलेस हो चुका हो। रोजमर्रा की आम जरूरतों का कुछ न कुछ हिस्सा तो नकद लेन-देन से ही पूर्ण होता है। ऐसे में भारत को भी एक सचेत एवं सहज प्रगमन के माध्यम से डिजिटल अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ना चाहिए।

वैश्विक अर्थव्यवस्था में निरन्तर उत्पन्न होती चुनौतियाँ, व्यापार के बदलते आयामों के साथ भारत को भी कदम से कदम मिलाकर चलना है। हमारा सम्पूर्ण प्रयास यही होना चाहिए कि देश की अर्थव्यवस्था के सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक स्थितियों पर पड़ने वाले प्रभाव को सकारात्मक

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

बताया जाये । हम कम नगद वाली अर्थव्यवस्था से नकद विहीन अर्थव्यवस्था की ओर अवश्य बढ़े परन्तु यह प्रगमन समावेशी, संतुलित एवं सतत हो। यह प्रगमन महात्मा गांधी के उस सर्वोदय को चरितार्थ कर सके जहाँ देश के सबसे कमजोर व्यक्ति को भी स्वराज मिल सके अर्थात उसका भी कल्याण हो सके ।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

खण्ड–B / SECTION –B

1. एक राष्ट्र : एक निर्वाचन
   One nation: One election.
2. भारत में डिजिटल अंतराल : ग्राम्य रूपांतरण में अवरोध
   Digital divide in India: A roadblock to rural transformation.
3. कायांतरित भारत : नवीन भारत
   Transforming India: New India.
4. निष्ठावान पड़ोसी दूरस्थ रिश्तेदार से उत्कृष्ट है।
   A close neighbour is better than distant relative.

'भारत' मेरे शब्दकोष का वह शब्द, जिसके सामने सारे शब्द फीके पड़ जाते हैं। मेरी सारी भावनाओं, आकांक्षाओं और उल्लासो को समेटता यह अकेला शब्द न केवल मुझे बल्कि करोड़ों को वह ऊर्जा देता है जो कल्पनातीत है।

अपने इसी प्रिय मातृभूमि के विकास का सपना लिये करोड़ों भारत वासी निरन्तर रत है। लेकिन इस भारत का विकास- वास्तविक विकास- तभी संभव है जब इसके गांवों का विकास हो। महात्मा गांधी ने भी स्वीकारा है कि भारत गाँवों में बसता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

ग्रामीण भारत और शहरी भारत में डिजिटल साक्षरता की वर्तमान स्थिति को स्पष्ट करें

70% ग्रामीण आबादी के साथ भारत के विकास में इसकी सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक, भौगोलिक, सांस्कृतिक एवं तकनीकी चुनौतियाँ विद्यमान हैं। इन्ही चुनौतियों में एक प्रमुख चुनौती है डिजिटल अंतराल की जो भारत के गांवों के रूपान्तरण की मुख्य बाधाओं के रूप में देखी जाती है।

तो सबसे पहले इस डिजिटल अंतराल का अर्थ समझना आवश्यक है। इसका सामान्य अर्थ भारत के शहरी क्षेत्रों एवं ग्रामीण क्षेत्रों के मध्य विद्यमान डिजिटल साक्षरता, डिजिटल आधारभूत संरचना एवं डिजिटल प्रयोगों की उपलब्धता, सहजता एवं बारम्बारता के उपस्थित अंतराल से है।

इस अंतराल के कारणों एवं ग्रामीण भारत के रूपान्तरण की चुनौतियों में गहरा अन्तर्सम्बन्ध है।

यदि ऐतिहासिक तौर पर देखे तो भारत के बड़े

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

एवं मेट्रोपालिटन शहर यथा दिल्ली, मुम्बई, चेन्नई, कोलकाता इत्यादि शुरू से ज्ञान-विज्ञान के केन्द्र बने रहे। औपनिवेशिक काल के बाद स्वतन्त्रता पश्चात भी इन्हें शिक्षा-तकनीक के प्रसार का केन्द्र क्षेत्र का गौरव मिला।

आर्थिक गतिविधियों का केन्द्र होने के कारण शहर विकास के इंजन कहलाने लगे। तकनीक का शीघ्र एवं सक्षम प्रसार हुआ। सहयोगी सरकारी नीतियों का लाभ शहरों को गांवों की अपेक्षा अधिक मिला।

सामाजिक एवं शैक्षिक रूप से अधिक जागरूक मध्यम वर्ग ने नयी तकनीकों को तेजी से अपनाया। इसके साथ ही शहरी जीवन-चर्या में डिजिटल माध्यमों यथा कम्प्यूटर, इंटरनेट, बैंकिंग का प्रसार तेजी से बढ़ा। जागरूकता, स्वीकार्यता, सुलभता एवं अनिवार्यता जैसे तत्वों ने तेजी से एक डिजिटल रूप से शिक्षित वर्ग को रचा किया परन्तु दुर्भाग्यवश हमारे गाँव विकास की दौड़ में पिछड़ गये।

मांग और सेवाओं के संदर्भ में डिजिटल साक्षरता के महत्व को और स्पष्ट करें

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

इस विषमांगी डिजिटल विकास का प्रभाव भारत के गाँवों के सामाजिक, आर्थिक विकास पर भी पड़ा। यह विसंगतिपूर्ण स्थिति भारत के गांवों के सर्वांगीण विकास की प्रमुख चुनौती बनकर उभरी है।

डिजिटल साक्षरता में बाधक कारकों की और चर्चा करें।

आज भारत में डिजिटल साक्षरता की स्थिति दयनीय है। इसके अनेक सामाजिक प्रभाव देखने को मिलते है। ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे नवीन शोधों एवं परिवर्तनों की जानकारी पहुँचने में वर्षों लग जाते है।

जो मेडिकल रिपोर्ट शहरों में कुछ मिनटों में हासिल हो जाती है, वह गांवों में हफ्तों का समय लेती है। स्वास्थ्य एवं शिक्षा के क्षेत्र की महत्वपूर्ण जानकारियों के अभाव में आज भी अंधविश्वासों का बोलबाला देखा जा सकता है।

यदि आर्थिक क्षेत्र की ओर दृष्टि करे तो यह

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

समझने देर नहीं लगती है कि किस प्रकार डिजिटलीकरण के अभाव के कारण वर्षों तक आर्थिक समावेशन एक बड़ी चुनौती बना रहा है।

खेती-किसानी से सम्बन्धित आई.सी.ए.आर. की वेबसाइट्स पर उपलब्ध जानकारियों को किसान तभी देख एवं उपयोग कर पायेगा जब वह डिजीटली साक्षर एवं सम्पन्न हो।

इसी प्रकार सामाजिक एवं राजनीतिक जागरूकता का जो स्तर शहरों में है वह गांवों में नहीं क्योंकि यहाँ सब कुछ बस एक क्लिक की पीठ दबाने से उपलब्ध हो जाती है।

अब प्रश्न यह उठता है कि भारत के सम्पूर्ण समावेशी एवं सतत विकास की दृष्टि से गांवों के डिजिटल विकास को कैसे साधा जाये? इसके समाधान के तौर पर सरकार की सबसे महत्वपूर्ण योजनाओं में से एक डिजिटल इण्डिया

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

का क्रियान्वयन किया जा रहा है। देश की 2.5 लाख से अधिक पंचायतों को नेशनल आप्टिकल फाइबर मिशन से जोड़ा जा रहा है।

इसके साथ ही सरकार ने डिजिटल भुगतान को सरल बनाने के लिए भीम एप को प्रस्तुत किया है। ई भुगतान को प्रोत्साहित करने के लिए डिजीधन मेला जैसे कार्यक्रम भी चलाये गये।

सरकारी कार्यों के प्रबंधन की चुनौतियों को और स्पष्ट करें

देश में, विमुद्रीकरण के दौरान ऐसे कई कस्बे देखे गये जो पूर्णतः डिजिटल भुगतान पर आधारित हो गये हैं।

इन सभी प्रयासों का परिणाम यह हुआ है कि एक ओर डिजिटल अवसंरचना का विकास हुआ है, डिजिटल साक्षरता में वृद्धि हुई है तो वहीं इन सबका सामाजिक, आर्थिक प्रभाव भी अन्य क्षेत्रों पर देखने को मिला है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

गौरतलब है कि ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत संरचना, स्वास्थ्य, शिक्षा, आवास एवं पेयजल को लेकर भी सरकार द्वारा विभिन्न योजनाएँ चलाई जा रही हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री सड़क योजना तथा आंगनबाड़ी केन्द्रों को सशक्त बनाकर गांवों के सम्पूर्ण विकास का प्रयास किया जा रहा है। डिजिटल विकास के साथ सम्मिलित होकर ये सभी योजनाएँ भारत के सर्वांगीण विकास में मील का पत्थर साबित होगी।

तकनीक में आधारगत भिन्नता के प्रभावों की और चर्चा करें।

आज भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। हमारे पास विश्व का सबसे बड़ा आंकिकीय लाभांश है। आवश्यकता है कि हम डिजिटल इंडिया को गांवों के प्रत्येक कोने तक पहुँचा दें जिसके कि हमारा मानव

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

संसाधन अपनी सम्पूर्ण क्षमता का उपयोग कर अब्दुल कलाम साहब के विजन 2020 को साकार कर सके

49

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation